# भजना बिन भुंडो लागे रे एलो मनक जमारो लिरिक्स

भजना बिन भुंडो लागे रे,
एलो मनक जमारो,
एलो मनक जमारो यो,
फिको मनक जमारो,
भजना बिन भुंडो लागे रै,
एलो मनक जमारो।bd।

---

पान फूल बिन तरुवर सुनो,
गाज बिना चिनगारो,
हंस कमल बिन सागर सुनो,
हंस कमल बिन सागर सुनो,
बिना नीर नदी नालों,
भजना बिन भुंडो लागे रै,
एलो मनक जमारो।bd।

---

बिना चंद्रमा रात अधूरी,
बिना दीपक अंधियारो,
पिया बिना पतिव्रता सुनी,
पिया बिना पतिव्रता सुनी,
सुनो सब सीनगारो,
भजना बिन भुंडो लागे रै,
एलो मनक जमारो।bd।

---

बिना ज्ञान के विरथा जीनों,
झूठों सकल पसारो,
गुड़ बिन फीको भात,
मात बिन फीको सब संसारो,
भजना बिन भुंडो लागे रै,
एलो मनक जमारो।bd।

---

नारी बिन घरबार सुना,
बिना पुत्र परिवारों,
भैरव भाव बिन भक्ति सुनी,
भक्त बिना करतारो,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

भजना बिन भुंडो लागे रै,
एलो मनक जमारो।bd।

भजना बिन भुंडो लागे रै,
एलो मनक जमारो,
एलो मनक जमारो यो,
फिको मनक जमारो,
भजना बिन भुंडो लागे रै,
एलो मनक जमारो।bd।

गायक – युवराज वैष्णव।
प्रेषक – बालाजी टेलर गोपाल पूरा।
नंगजी राम धाकड़। 9799285289

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com